पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/24-26 प्रकाशित 01.04.2026 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु **खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया,** घन्टाघर, दिल्ली– 110007, **आई. एफ. एस. कोड** SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. **9810117464** पर एस.एम.एस कर दें या **9868051444** पर googlepay कर दें।

–अनिल आर्य

वर्ष-42 अंक-21 चैत्र-2083 दयानन्दाब्द 202 01 अप्रैल से 15 अप्रैल 2026 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

प्रकाशित: 01.04.2026, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

95वें बलिदान दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

क्रांतिकारियों के बलिदान से ही देश आजाद हुआ –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

सोमवार, 23 मार्च 2026, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में शहीद भगतसिंह, राजगुरु,सुखदेव के 95 वें बलिदान दिवस पर आर्य समाज संदेश विहार,पीतमपुरा,दिल्ली में भव्य समारोह का आयोजन किया गया।जिसमें दिल्ली व आसपास से सैकड़ों आर्य समाजियों ने पहुँच कर श्रद्धांजलि अर्पित कीप्कार्यक्रम का शुभारंभ ब्रह्मा आचार्य ज्ञान जी ने यज्ञ के साथ किया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि देश की आजादी की लड़ाई में क्रान्तिकारियों का महत्व पूर्ण योगदान रहा और महर्षि दयानन्द से प्रेरणा लेकर हजारों नौजवान स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े।अंग्रेज़ सरकार आर्य समाजियों से भय खाती थी।उन्होंने कहा कि शहीद राष्ट्र की अमानत हैं उनके बलिदान पर ही राष्ट्र की नींव खड़ी होती है।नयी पीढ़ी को उनके बलिदान के बारे में बताने की आवश्यकता है जिससे वह राष्ट्र भक्ति की भावना से ओतप्रोत हों इसलिये पाठ्यक्रम में उनके बारे में जानकारी देनी चाहिए।अब इस आजादी की रक्षा का दायित्व युवा पीढ़ी का है– निगम पार्षद अजय रवि हंस ने कहा कि आर्य समाज से जो जुड़ जाता है वह बुराइयों से छूट जाता है। समारोह अध्यक्ष सुरेश आर्य ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को स्वतंत्रता का इतिहास बताने की आवश्यकता है जिससे वह आजादी की कीमत पहचान सकें।आर्य समाज के प्रधान दुर्गेश आर्य ने कहा कि आर्य समाज सदैव देश भक्तों के बलिदान को याद करता है। सुप्रसिद्ध गायक नरेंद्र आर्य सुमन, प्रवीण आर्या पिंकी,प्रवीण आर्य गाजियाबाद एवं नरेश खन्ना आदि के द्वारा गाये देश भक्ति गीतों पर लोग झूम उठे। आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने कहा कि आर्य समाज युवा शक्ति को प्रेरित करने का प्रयास करता रहता है। परिषद के राष्ट्रीय महासचिव महेन्द्र भाई ने सभी का अभिनंदन किया। आर्य नेता रवि चढ़ा,वेद प्रकाश आर्य, संजीव महाजन, अशोक गुप्ता, अंजू जावा, देवेन्द्र भगत, धर्म पाल आर्य, वरुण आर्य आदि उपस्थित थे।

युवा शक्ति को आह्वान

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में

डॉ. अमिता व डॉ. अशोक कुमार चौहान के सानिध्य में

विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर

उद्घानः– रविवार 31 मई 2026 प्रातः 11 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक

समापन समारोह– शनिवार 6 जून 2026 प्रातः 11 से 1.00 बजे तक

स्थानः एमिटी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 44 नोएडा

अन्तिम प्रवेश तिथि 15 मई 2026

सभी शिविरार्थी शनिवार 30 मई 2026 को शाम 6.00 बजे रिपोर्ट करें

आठ दिन तीन समय के लिए ऋषि लंगर के लिए आपका सहयोग अपेक्षित है

उद्घाटन व समापन समारोह में युवा शक्ति का उत्साह वर्धन करने आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं

निवेदकः

आनन्द चौहन	अनिल आर्य	महेन्द्र भाई	धर्मपाल आर्य	सौरभ गुप्ता
संरक्षक	9810117464	9013 13 7070	98715813 98	9971467978

इंडोनेशिया बाली भारतीय संस्कृति की झलक

— ओम सपरा, एन–22, मुखर्जी नगर, दिल्ली–110002

पिछले दिनों हमे इंडोनेशिया बाली का एक विशेष टूर पर जाने का अवसर मिला, यह हमारे जीवन की एक यादगार यात्रा रही। हम कुल मिलाकर नौ व्यक्ति थे, जिसमें चार युगल दंपति और एक सिंगल सज्जन थे। हम दिनांक 7 मार्च, 2026 को रात्रि दस बजे घर से इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए। सुबह तड़के लगभग तीन बजे की एयर इंडिया की फ्लाइट थी, हम लोग आठ घंटे की वायुयान में यात्रा करके वहाँ पहुंचे। हमारे भारत देश से वहाँ का समय अढ़ाई घंटे आगे है। अर्थात यहाँ अगर एक बजे हैं तो बाली में साढ़े तीन बजे होते हैं। उस एयरपोर्ट का नाम नगुराह राय एयरपोर्ट और स्थान का नाम है डेनपासर बाली है। सात दिन की यात्रा के बाद हम सब लोग 14 मार्च, 2026 को रात्रि साढ़े आठ बजे दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचे, जिस समय बाली इंडोनेशिया में 11 बजे हुए थे । हमारे टूर के ग्रुप में सर्वश्री कर्नल कबीर दुबे, श्रीमती प्रीति दुबे, गुलशन पिपलानी, श्रीमती निर्मला पिपलानी, ओम सपरा, श्रीमती प्रतिभा सपरा, अरुण ओबेरॉय, श्रीमती कमल ओबेरॉय और वरिष्ठ प्रकाशक और कवि उमेश मेहता (अनन्य प्रकाशन शामिल थे।

वहाँ एयरपोर्ट पर काफी सुस्त कार्य होते हुए दिखा। इमीग्रेशन की विंडो पर सिर्फ एक स्टाफ का आदमी आया और काफी समय लेकर भी किसी को क्लीरन्स नहीं दे पा रहा था। लगता था कोई ट्रैनिंग पर नया स्टाफ भर्ती हुआ है। लोगों की लाइन काफी लंबी होती जा रही थी। मुसाफिरों की मांग पर तीन महिला और पुरुष स्टाफ के और लोग अपने सीट पर आकार विराजमान हुए और तब कार्य ने कुछ गति पकड़ी। बाहर निकलते ही काफी अच्छा लगा। हमारे टूर ऑपरेटर की दो महिला प्रतिनिधि अपनी चुस्त–दुरुस्त यूनिफॉर्म में अपने हाथों में हमारे नामों की पट्टिका लेकर हमारा स्वागत कर रहे थे। उन्होंने तत्काल हम सभी नौ लोगों को सुगंधित गेंदे के फूलों की माला पहनकर हमारा अपने देश में अभिनंदन किया। हमे यह यकायक खुद के विशेष मेहमान होने जैसा आभास हुआ। पहले दिन हमारे "लंच का प्रबंध" वसुंधरा टूर ऑपरेटर की तरफ से नहीं था, इसलिए हम स्वयं दोपहर का भोजन कहीं भी ग्रहण करने को स्वतंत्र थे। हमारी गाइड सुश्री जिया हमे एक भारतीय होटल में ले गई। वहाँ भोजन काफी अच्छा मिला। वहाँ हम कुल ६ लोग थे। लंच करने में कुल 10 लाख इंडोनेशियन रुपए का बिल बना। जो भारतीय दृष्टि से अधिक नहीं था। फिर भी लाखों में वहाँ की करेंसी में भुगतान करते हुए हमे अनायास ही "करोड़पति" होने के अद्भुत फील आती है। बाकी सभी दिन हमारा प्रातरूराश होटल में और लंच तथा रात्रि का भोजन टूर ऑपरेटर की ओर से किसी अच्छे स्थान पर भारतीय होटल में ही होता था।

परिचय के दौरान मालूम हुआ कि यहां बहुत लोगों के नाम हिंदी संस्कृत से मिलते जुलते हैं। जैसे, पुत्री, स्त्री, युविका, यूनिता, पुनीता, आर्ष और आर्षय, आरुषि, वेदान्त दास, स्वस्ति। इसी तरह होटल आदि के नाम पांडव रेस्टोरेंट, सपना होटल, आदि भूमि होटल आदि। इसके अतिरिक्त भ्रमण के दौरान जिन विशाल मूर्तियों और मंदिरों में जाना हुआ। उन टुरिस्ट स्पॉट बने हुए स्थानों पर यकायक लगा कि यह वास्तविक तीर्थ स्थान हैं। एक दिन प्रातरू के सैर के दौरान एक अगुसी आर्या ट्रेलर से भेंट हुई, वह और उसकी पत्नी सुबह सवेरे सिलाई–कढ़ाई का कार्य कर रहे थे। अगुसी और आर्या यह दोनों उनके बेटों के नाम हैं। उनका टेलर का नाम श्री नयोमेन सौरदाना है और वे हिन्दी नहीं जानते थे, परंतु कहने लगे कि हमारे पुरखे हिन्दू थे और हम हिन्दू हैं। अपने नाम का अर्थ उन्होंने बताया "नया आदमी" या बहादुर आदमी, जो प्रतीत होता कि हनुमान के नाम और व्यक्तित्व से प्रेरित लगता है। वे यहाँ पैदा हुए और यहीं पर बरसों से रहते हैं इसिलिये सिर्फ यहाँ की लोकल भाषा और इंग्लिश बोल सकते हैं। बेटे अगुसी के नाम का अर्थ उन्होंने क्रमशरू लीड करने वाला, नेतृत्व करने वाला, और दूसरे बेटे आर्या के नाम का अर्थ अच्छा व्यक्ति, भला और सज्जन व्यक्ति बताया। मालूम हुआ कि "बाली प्रदेश" जो एक द्वीप है, उसका नाम महाभारत के एक विशेष पात्र सुग्रीव के भाई बाली के नाम पर रखा गया तथा यहाँ अस्सी प्रतिशत से अधिक हिन्दू लोग निवास करते हैं। शेष लोगों में मुस्लिम, ईसाई और बौद्ध आदि सम्मिलित हैं। इसके विपरीत इंडोनेशिया, सुमात्रा, जकार्ता नामक द्वीप या देश जो वहाँ से कुछ दूर है, वहाँ हिन्दू वर्ग के लोग कम संख्या में हैं जबकि अधिकांश मुस्लिम आबादी है। जिनमे से अधिकतर धर्मांतरित होकर मुस्लिम बने हैं। फिर भी धर्म भेद के बावजूद वहाँ सब तरफ, हिन्दू देवी देवताओं के प्रति काफी सम्मान और पूजा का भाव है, सर्वत्र एक सौहार्द का वातावरण है और हिन्दू या भारतीय रीति रिवाज सभी तरफ प्रचलित हैं।

वहाँ भारत, नेपाल आदि स्थानों एक कई लोग होटल संचालित कर रहे है, इसीलिए वहाँ पर अधिकतर भारतीय हॉटेलों में भारतीय शाकाहारी भोजन, लस्सी, दही, चाय, दूध, कॉफी, सादी रोटी, आलू और भरवां या लछा परांठा आदि उपलब्ध हुए। हम लोग तीन दिन कूटा नामक स्थान पर मारियट होटल में बाद में तीन दिन शेराटन में रुके। वहाँ होटल के प्रवेश द्वार पर स्टाफ के लोग आगंतुकों को गेट पर ही वेलकम के साथ साथ मुस्कराहट भरे चेहरे के साथ "ओम स्वस्ति अस्तु भव" कहकर स्वागत करते हैं। वहाँ के राजा का नाम भी सुकर्णो था अर्थात जिसके कान सुंदर हों, उसकी बेटी भी संस्कृत की विदुषी थी। इंडोनेशिया बाली के लोगों में रामायण खूब लोकप्रिय है, जिसका नियमित मंचन वहाँ पर प्रत्येक वर्ष स्थान स्थान पर होता है। मुझे याद है कि कुछ वर्ष पूर्व, कामायनी सभागार, नई दिल्ली में एक सप्ताह तक इंडोनेशिया बाली की नाटक मंडली द्वारा वहाँ की वेश भूषा और वहाँ की विशिष्ट प्रस्तुतीकरण की शैली में राम लीला प्रस्तुत की गई। हमारे टूर के मुख्य संयोजक कर्नल कबीर दुबे और श्री गुलशन पिपलानी थे जिन्होंने पूरे भ्रमण को सात दिन तक अच्छी तरह से संचालित किया। वहाँ पर जावा के समुद्र पर विशाल गरुड कानसाना मंदिर (जो चार मंजिल मकान से भी बड़ा है), उसके नीचे विशाल म्यूजियम भी है, जी–डब्लू–के– कल्चरल पार्क, उलू वाटू मंदिर, भगवान कश्यप का मंदिर, उनकी पत्नी की मूर्तियाँ, हनुमान का मंदिर, शंकर का मंदिर, बाली सेन्स टिटेनिक जहाज का अद्भुत अनुभव, गायत्री कल्चरल शो, सांस्कृतिक नाटक जिसमें राक्षस और देवता के संघर्ष की कथा और व्यथा है बाद में सत्य की विजय होती है और एक युगल "भद्र स्त्री–पुरुष" का विवाह सम्पन्न होता है, उबुद पेलेस और उबुद आर्ट मार्केट, किनटामणि, बटुर पर्वत, बाली का वाल्कैनो जो काफी उच्च पर्वत पर स्थित है। इसके अतिरिक्त तेगालालेंग राइस टेरेस, सुबक इरगैशन का रोमांचक स्थान, उलून दानु मंदिर, जो जलदेवी के तौर पर विख्यात है, ब्रेटन झील, हरे–भरे जंगल में पर्वतों में बाली के प्रवेश स्थान के तौर पर प्रसिद्ध हंडारा गेट, तानाह लॉट मंदिर जो शंकर मंदिर के नाम से विख्यात है और समुद्र के अंदर स्थित है, वहाँ सूर्य के अस्त होने का दृश्य अनुपम सौन्दर्य से भरपूर होता है, बर्ड पार्क जो स्वयं में एक अद्भुत और अनमोल जीवों, रेंगने वाले जीवों, हजारों रंगीन पक्षी–समूह जिनकी अपने सिर या बाजू पर रखकर आप अपनी तस्वीर खींच सकते हैं, उबुद नामक से एयरपोर्ट का सारा रास्ता खूबसूरत पेड़ पौधों और हरियाली से भरा पूरा है।

मुझे लगता है कि हमे अपने देश वासियों और वहाँ के लोगों के बीच निरंतर तादात्म्य रखना चाहिए जिसके लिए जरूरी है कि वहाँ पर हर प्रांत में प्रत्येक स्कूल, कॉलेज में हिन्दी का शिक्षण को प्रत्येक स्तर पर प्रोत्साहन दिया जाये, इसके लिए सरकारी स्तर पर प्रयास और कूटनीतिक कदम जरूरी हैं तभी दोनों देश और अधिक निकट हो सकेंगे। भारत यदि विश्व गुरु बन जाता है तो इंडिनेसिया बाली जैसे सभी देश भारत और नेपाल के तरह हिन्दू/भारतीय देश बन सकते है। वास्तव में भारतीय जनता और सरकार एक अद्भुत विश्व संस्कृति को मानते हैं, जो सदैव "विश्वबंधुत्व, भाई चारा तथा परस्पर सह–अस्तित्व, विश्व शांति, पंचशील के सिद्धांतों को निरंतर आगे बढ़ाता, जिसे पंडित नेहरू से लेकर नरेंद्र मोदी तक उस मशाल को निरंतर प्रज्जवलित रखे हुए हैं। हमारा साक्षात अनुवभ है कि बाली वास्तव में एक भारतीय प्रदेश जैसा दिखता है, जहां एक गाँव की सादगी है और शहर जैसी चमक–दमक भी, जहां अनुशासन है, साफ सफाई है, हरियाली है, माल और होटल बहुत खूबसूरत है, लोग सदैव मुस्कराते हुए मिलते हैं, जो सब मिलकर एक समझदार लोगों का समूह है।

— अध्यक्ष, आर्य धर्मार्थ न्यास पंजीकृत, (पूर्व स्पेशल मेट्रोपॉलिटन मैजिस्ट्रैट), (अध्यक्ष, उत्तरी दिल्ली वेद प्रचार मण्डल पंजीकृत)

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद जम्मू कश्मीर के तत्वावधान में

विशाल आर्य युवा चरित्र निर्माण शिविर

रविवार 7 जून से रविवार 14 जून 2026 तक

स्थानः आर्य समाज जानी पुर कॉलोनी जम्मू

इच्छुक युवक सम्पर्क करे– 7051094311

सुभाष बब्बर	कपिल बब्बर	अमित महाजन
प्रान्तीय अध्यक्ष	संयोजक	महामन्त्री

आर्य समाज राजौरी गार्डन के सभागार का उद्घाटन

वीरवार, 26 मार्च 2026 को आर्य समाज राजौरी गार्डन दिल्ली के भव्य सभागार का उद्घाटन प्रवेश वर्मा मंत्री दिल्ली सरकार ने किया इस अवसर राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य सहित अनेकों समाजों के अधिकारी उपस्थित थे। प्रधान ओम प्रकाश अरोड़ा अनिल आर्य का अभिनंदन करते हुए।

शाहबाद मुहम्मदपुर व आर्य समाज अशोक विहार में यज्ञ सम्पन्न

चरित्र निर्माण मंडल के तत्वावधान में भव्य समारोह आयोजित किया गया परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। गंगा शरण आर्य ने कुशल संचालन किया। द्वितीय चित्र में 27 मार्च 2026 को अशोक विहार पार्क में राम नवमी के उपलक्ष्य में 21 कुण्डीय यज्ञ आचार्य सतीश शास्त्री के ब्रह्मत्व में सम्पन्न हुआ प्रधान राकेश खुल्लर संयोजक प्रेम सचदेवा अ मंत्री जीवन लाल आर्य को बधाई।

आर्य समाज पूर्वी पंजाबी बाग व पंचदीप का उत्सव सम्पन्न

रविवार 21 मार्च 2026, आर्य समाज पूर्वी पंजाबी बाग दिल्ली के उत्सव में समाज के प्रधान रवि चड्डा अनिल आर्य का अभिनंदन करते हुए व द्वितीय चित्र में आर्य समाज पंचदीप पीतमपुरा दिल्ली के प्रधान आनंद प्रकाश गुप्ता अनिल आर्य का अभिनंदन करते हुए साथ में संदेश विहार के प्रधान दुर्गेश आर्य।

आर्य समाज कीर्ति नगर के सभागार का उद्घाटन व मस्जिद मोठ का उत्सव सम्पन्न

रविवार 29 मार्च 2026 आर्य समाज कीर्ति नगर दिल्ली के सभागार का उद्घाटन हुआ परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य का अभिनंदन करते मंत्री विनीत बहल। द्वितीय चित्र आर्य समाज मस्जिद मोठ दिल्ली के वार्षिकोत्सव मैं प्रधान देवेन्द्र आर्य अनिल आर्य ओमप्रकाश यजुर्वेदी रविन्द्र आर्य, प्रकाशवीर शास्त्री

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा 2020 से 774वां वेबिनार सम्पन्न

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम पर गोष्ठी सम्पन्न

श्रीराम भारतीय संस्कृति की आत्मा है –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

वीरवार 26 मार्च 2026 ,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में रामनवमी के उपलक्ष्य में 'मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने राम नवमी की सभी को बधाई देते हुए कहा कि राम भारतीय संस्कृति और परंपरा के आधार हैं उनका संपूर्ण जीवन विश्व मानवता के इतिहास में मानवीय मूल्यों के सर्वोच्च पालनकर्ता के रूप में प्राप्त होता है इसलिए विश्व के इतिहास में केवल श्रीराम के साथ ही मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम शब्द का प्रयोग होता है श्री राम का व्यक्तित्व आम और खास सब को प्रभावित करता है उनके अपने जीवन में तो मर्यादा के पालन का आकर्षण है ही उनके साथ जुड़े भाई बंधु पत्नी पिता माता एवं अन्य सभी जन भी मर्यादा के साथ सम्बंध होते हैं यही उनके व्यक्तित्व की खूबी है चंदन के समीपवर्ती वृक्ष में भी खुशबू का संचार होता है ऐसे ही श्रीराम के निकटवर्ती सभी लोग भी मर्यादा के साथ में जुड़ जाते हैं जहां इतिहास भाई भाई के कलह और झगड़ों से भरा हुआ है वहां संपूर्ण साम्राज्य का परित्याग करके वनवास को स्वीकार लेना यह केवल राम का ही सामर्थ्य और उदाहरण है इसका दूसरा उदाहरण दुनियां में कहीं ओर नहीं मिलता राज्य अभिषेक एवं बनवास दोनों ही स्थितियों में चेहरे की चमक की समानता राम के ही जीवन में दिखाई देती है लंका पर विजय प्राप्त करने के बाद भी सोने की लंका का राज्य स्वीकार नहीं करते अपितु उसे विभीषण को सोंपकर अयोध्या की तरफ चल पड़ते हैं उनके समय में अयोध्या में किसी भी प्रकार का क्लेश और दुख नहीं था कोई भी अकाल मृत्यु का ग्रास नहीं होता था यही कारण है कि आज भी दुनियां में जब भी श्रेष्ठ राज्य की कल्पना होती है तो राम राज्य का नाम लिया जाता है। प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण आर्य ने कहा कि हमें मर्यादा पुरुषोत्तम राम के जीवन आदर्शों मान्यताओं यज्ञ–रक्षा और योग की जीवन पद्धति को अपनाना चाहिए।जैसे श्रीराम राजतिलक और वनगमन के समय समभाव रहे थे वैसे ही हमें भी जीवन की प्रत्येक परिस्थिति में स्थितप्रज्ञ होकर समभाव से रहना चाहिए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष महामंत्री महेन्द्र भाई ने कहा कि श्रीराम गुणों की खान थे उनका चरित्र उत्तम कोटि का था उसे आत्मसात करने की आवश्यकता है। आर्य नेता कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि आर्य समाज चरित्र की पूजा करता है चित्र की नहीं।

151 वाँ आर्य समाज स्थापना दिवस संपन्न

पाखंड अन्धविश्वास आर्य समाज के लिए चुनौती –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

वीरवार 19 मार्च 2026 केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में आर्य समाज के 151 वें स्थापना दिवस पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि महर्षि दयानन्द सरस्वती ने 1875 में मुंबई में नववर्ष विक्रमी संवत के दिन प्रथम आर्य समाज की स्थापना की थी। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि जो कुरीतियां महर्षि दयानन्द के समय थी वह आज भी विद्यमान हैं बढ़ता पाखण्ड अन्धविश्वास आर्य समाज के लिए चुनौती है आर्य जनों को इसके लिए जनजागरण का कार्य करना होगा,उन्होंने कहा कि आर्य समाज ने देश की आजादी के लिए सर्वाधिक कार्य किया और महर्षि दयानन्द से प्रेरणा लेकर अनेको नौजवान आजादी कए आन्दोलन में कूद पड़े आज भी राष्ट्र विरोधी ताकतें फिर सिर उठा रही है जिन्हें कुचलने के लिए कार्य करना है।आज धर्मान्तरण भी एक मुद्दा है।धर्म बदलने से विचार बदल जाते हैं और जिससे राष्ट्रान्तरण हो जाता है आज की यह समस्या सिर उठा रही है। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रवीण आर्य ने कहा कि आर्य समाज राष्ट्र का सजग प्रहरी है।युवा पीढ़ी को परिवर्तन कर उन्हें समाज के लिए उपयोगी भूमिका बनानी है।वैदिक विद्वान आचार्य गवेन्द्र शास्त्री,ओम सपरा रजनी गर्ग ने भी अपने विचार व्यक्त किए। गायिका पिंकी आर्या, रजनी चुग, कौशल्या अरोड़ा,जनक अरोड़ा, शोभा बत्रा ने मधुर भजन सुनाए।

धन्यवाद ज्ञापन– आर्य वेबिनार के 6 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई

हमें गौरव पूर्ण कहने में प्रसन्नता हो रही है कि 22 मार्च 2020 को लोक डाउन लगते ही केन्द्रीय आर्य युवक परिषद ने आर्य Webinaro की श्रंखला प्रारंभ की जो कल्पना से ऊपर 774 पहुच गई है जो एक कीर्तिमान है। अनेको विद्वानों बुद्धिजीवियों ने अपनी–अपनी सेवाएँ प्रदान की उनका हम ह्रदय से आभारी है। हमसे प्रेरणा लेकर अनेको Webinar आज चल रहे हैं। देश ही नहीं अपितु विदेश के लोगों के बीच परिचय बड़ा है। इसी तरह 3 जून 1978 को स्थापित केन्द्रीय आर्य युवक परिषद अपने 48 वर्ष पूर्ण करने जा रही है और युवा उद्घोष पत्रिका गत 42 वर्ष से नियमित प्रकशित हो रही है स वेबसाइट आर्य यूथ ग्रुप यू–ट्यूब Channel सभी सुचारु रूप से कार्य कर रहे हैं। आपके अपार सहयोग के लिये हम पुनः धन्यवाद ज्ञापन करते हैं। आपके सुझाव का सदैव स्वागत है।

जहां होता है भरपूर काम और प्रभु का गुणगान आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 **मो.**: 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970